समन्वय-11014/7/2019-समन्वय

भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

(समन्वय प्रभाग)

****

विषयः एसडीई मंत्रालय से संबंधित मंत्री परिषद के लिए मासिक सारांश

जुलाई, 2022 के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियां/पहलें इस प्रकार हैं:

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने उदघोषणा की कि राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) प्रत्यक्ष लाभार्थी अंतरण (डीबीटी) स्कीम का भाग होगी, जो सभी शिक्षुओं को प्रत्यक्ष सरकारी लाभ प्रदान करेगी। डीबीटी स्कीम के शुभारंभ के साथ, सरकार राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से देय वजीफे का 25%, 1500/- रुपए प्रति माह तक अपना अंशदान सीधे शिक्षु के बैंक खातों में अंतरित करेगी।

2. कौशल विकास और उद्यमशिलता मंत्रालय ने ड्रोन विनिर्माण, मरम्मत और रखरखाव पर पांच (5) अल्पावधि कौशल कार्यक्रम शुरू किए हैं। सरकार ने ये अल्पावधि पाठ्यक्रम देश के 19 राज्यों के 126 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में शुरू किए हैं।

3. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने आजीविका के अवसरों और व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री कुशल भारत मिशन के भाग के रूप में 11 जुलाई, 2022 को प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला आयोजित किया। शिक्षुता मेले में अब तक 188410 आवेदकों ने भाग लिया है और मंच से 67,035 शिक्षुता प्रस्ताव प्रदान किए गए हैं।

4. वीसी, बैठकें और महत्वपूर्ण निर्णयः-

- श्री राजीव चंद्रशेखर, माननीय राज्य मंत्री, एसडी एंड ई की अध्यक्षता में 26.07.2022 को गुजरात राज्य के जनजातीय बहुल जिलों के माननीय सांसद (सांसद) और अन्य प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल का मॉडल तैयार करने के लिए चर्चा की गई।
- एमजीएनएफ कार्यक्रम के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा के लिए सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में आईआईएम बैंगलोर के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी।
- एमजीएनएफ कार्यक्रम की प्रगति, आईआईएम की मध्यावधि रिपोर्ट और कार्यक्रम के शैक्षणिक मॉड्यूल 3 की समीक्षा करने के लिए संकल्प की परियोजना निष्पादन समिति (पीईसी) की 19वीं बैठक 06.07.2022 को संयुक्त सचिव (संकल्प) की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी, जिसमें 09 भागीदार आईआईएम ने भाग लिया।

- संकल्प के अंतर्गत आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, जुलाई, 2022 के दौरान 8 राज्यों के 15 जिलों में 18 पूर्व शिक्षण को मान्यता (आरपीएल) कैंप (42 बैच) आयोजित किए गए, जिसमें 1526 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया।
- जेएसएस निदेशालय (डीजेएसएस) ने 30.07.2022 को 03 बैचों में 300 जेएसएस के लिए ऑनलाइन बैठकें आयोजित कीं, ताकि जेएसएस को अगस्त, 2022 से प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने, आधार आधारित नामांकन, बायोमेट्रिक उपस्थिति और तृतीय पक्ष आकलन प्रणाली पर चर्चा के बारे में सुग्राही बनाया जा सके।
- औद्योगिक मूल्य संवर्धन के लिए कौशल सुदृढ़ीकरण (स्ट्राइव) के अंतर्गत विभिन्न राज्यों में 76 आईटीआई के चयन के लिए राज्यों के साथ क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

5. करार और समझौता ज्ञापन:

- ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ, तीन वर्षों में 18,000 छात्रों को प्रशिक्षित करके, उन्हें कंपनी की अनूठी प्रशिक्षण पहल - टोयोटा तकनीकी शिक्षा कार्यक्रम (टी-टीईपी) के माध्यम से अधिक रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर और श्री विक्रम गुलाटी, कार्यकारी उपाध्यक्ष, टीकेएम की उपस्थिति में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) और ऑटोमोटिव कौशल विकास परिषद (एएसडीसी) के बीच 19 जुलाई, 2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- युवाओं के बीच नवाचार, कल्पना-शक्ति और सक्रियता की संस्कृति को विकसित करने के प्रयास में, राष्ट्रीय उद्यमशीलता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने युवाओं में उद्यमशीलता कौशल विकसित करने और आपसी सहयोग के लिए अन्य पहलुओं की पहचान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौता रोजगार सृजन को और बढ़ाएगा और स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करेगा, जिससे देश में नैनो और सूक्ष्म उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलेगा।
- एमएसडीई और एनएसडीसी के बीच "उद्योग समूह में शिक्षुता और डीएसटी को बढ़ावा देना" परियोजना के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए 07.07.2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। परियोजना का उद्देश्य 20 समूहों में 2000 युवाओं/आईटीआई छात्रों को शिक्षुता प्रशिक्षण और डीएसटी (दोहरी प्रणाली प्रशिक्षण) प्रदान करना है और पीएमकेवीवाई जैसे अल्पावधि पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए न्यूनतम 1000 कार्यगत प्रशिक्षण।

- महिला कर्मचारियों ने एमएसडीई द्वारा आयोजित 5 दिनों के आत्मरक्षा कार्यक्रम में भाग लिया। 28 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), नई दिल्ली में आयोजित 21वीं राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति (एनएसक्यूसी) की बैठक में लचीली समझौता ज्ञापन स्कीम के अंतर्गत चार अर्हताएं (असेंबली तकनीशियन (ऑटोमोटिव), ऑटोमोटिव पेंट तकनीशियन, ऑटोमोटिव वेल्ड तकनीशियन और मेक्ट्रोनिक्स तकनीशियन 2 वर्ष की अवधि के साथ एनएसक्यूएफ स्तर-4 को मंजूरी दी गई थी।
- एमएसडीई और एनएसडीसी के बीच 07.07.2022 को "उद्योग समूह में शिक्षुता और दोहरी प्रणाली प्रशिक्षण (डीएसटी) को बढ़ावा देना" परियोजना के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। परियोजना का उद्देश्य 20 समूहों में 2000 युवाओं/आईटीआई छात्रों को शिक्षुता प्रशिक्षण और डीएसटी (दोहरी प्रणाली प्रशिक्षण) और प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) जैसी स्कीमों में अल्पावधि पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए न्यूनतम 1000 नौकरी के दौरान प्रशिक्षण प्रदान करना है।

6. शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए देश भर में ओजेटी 17.07.2022 को सीआईटीएस प्रवेश के लिए अखिल भारतीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (एआईसीईटी-2022) आयोजित की गई थी और परीक्षा में कुल 34436 उम्मीदवार शामिल हुए थे।

7. 04 भाषाओं (अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती और तमिल) में 58 ट्रेडों की कुल 328 ई-बुक्स, 52 ट्रेडों के 126 प्रश्न बैंक, सामान्य विषयों के लिए 16 वीडियो और डीटीपीओ ट्रेड के 38 वीडियो भारत कौशल पोर्टल पर अपडेट किए गए हैं।

8. संबद्धता और परीक्षाओं के संबंध में अत्यधिक एसएमएस और ईमेल के साथ व्यापक प्रचार किया गया (लगभग 80,000 एसएमएस और 80,000 ईमेल भेजे गए थे)।

9. 16 जुलाई से 31 जुलाई, 2022 तक एमएसडीई के अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों सहित मंत्रालय और इसके विभिन्न संस्थानों में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। विशेष अभियान के अंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यकलापों में प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का आयोजन/इस अवसर को मनाने और अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए शपथ लेना, रैलियां और साफ-सफाई/स्वच्छता पर विशेष अभियान, पुराने रिकॉर्ड की छंटाई, संगठनों के कर्मचारियों और स्टॉफ से श्रमदान, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जागरूकता, वर्मी कम्पोस्टिंग इत्यादि पर डेमो - शामिल हैं।

उपरोक्त कार्यकलापों के अतिरिक्त, बैठकों और कार्यालय के सामान्य कामकाज के दौरान सामान्य कोविड-19 प्रोटोकॉल का विधिवत पालन सुनिश्चित करने के पश्चात प्रत्येक स्तर पर कार्य उत्पादन को बढ़ाने और ईष्टतम बनाने के लिए सभी आवश्यक उपाय/पहलें जारी रहीं।

****